वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें

तारीख- 26/08/26

प्रस्तुति- मीडिया सेल

नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने संभाला कार्यभार, पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से लिया चार्ज

अमन की शान



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उच्च शिक्षा प्रशासन में उन्हें कुलसचिव, परीक्षा संबंधी दायित्व, छात्र कल्याण, योजना एवं विकास समेत विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का अनुभव है। वह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से पूर्वांचल विश्वविद्यालय आए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना है। पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है।

इसलिए शोध और नवाचार को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। शोध को प्रोत्साहन देने के साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। कुलपति ने छात्र सुविधाओं पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को बेहतर बनाने की इस परिवर्तन यात्रा में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय सभी सहभागी होंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रो. वंदना सिंह को विवि परिवार ने दी विदाई



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि गृह में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की माटी में अपार संभावनाएं हैं। यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में विश्वविद्यालय और पूर्वांचल का नाम रोशन करें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में पठन-पाठन एवं शोध की गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी पूर्वांचल विश्वविद्यालय इसी तरह निरंतर प्रगति करता रहेगा। प्रो. वंदना सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव और यहां के लोगों का स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मुराद अली, प्रो. विनोद कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. अनुराग मिश्र उपकुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह सहित अन्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजय सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की ओर से प्रो. वंदना सिंह को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

[redacted]

4

हिन्दी दैनिक,आज का परिणाम

जौनपुर बुधवार 26 अगस्त, 2026

जौनपुर

पीयू में एनसीसी चयन शिविर सम्पन्न

ब्यूरो आज का परिणाम/

नवनियुक्तकुलपति ने पदभार ग्रहण किया

ब्यूरो आज का परिणाम/



जिला कारागार के कैदी की मौत

ब्यूरो आज का परिणाम/

शिक्षकों की समस्याओं पर संघ ने डीआईओएस को सौंपा ज्ञापन

तीन तस्कर गिरफ्तार 5

← दै आइडियल इंडिया 2... <

हिन्दी दैनिक

आइडियल इण्डिया

जौनपुर एवं आसपा

कुलपति प्रो. वंदना सिंह को विश्वविद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन,जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि गृह में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की माटी में अपार संभावनाएं हैं। यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में विश्वविद्यालय और पूर्वांचल का नाम रोशन करें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में पठन-पाठन एवं शोध की गतिविधियों को प्राथमिकता के



साथ बढ़ावा दिया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी पूर्वांचल विश्वविद्यालय इसी तरह निरंतर प्रगति करता रहेगा।प्रो. वंदना सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव और यहां के लोगों का स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश, प्रो. अजय द्विवेदी,प्रो. मनोज मिश्र, प्रो.प्रदीप कुमार, प्रो राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मुराद अली, प्रो. विनोद कुमार,डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. शशिकांत यादव,डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ.अनुराग मिश्र उपकुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह सहित अन्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजय सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की ओर से प्रो. वंदना सिंह को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वारीन्द्र सिंह यादव, महामंत्री राघेश्याम सिंह मुन्ना, उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति, रमेश यादव,श्रीनाथ यादव समेत कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई देते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय बताया।

नवागत वाइसचांसलर प्रो. राकेश कुमार सिंह ने संभाला पदभार

कहा, शोध नवाचार शिक्षा गुणवत्ता को आगे बढ़ाना ही लक्ष्य



शीशम का पेड़ गिरा, गम्मनागमन बाधित



वाइसचांसलर प्रो. वंदना सिंह को विश्वविद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई



पीयू में एनसीसी चयन शिविर

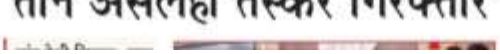
बीस वर्ष वायुसैनिक रहने के बाद बने शिक्षक

पुराने सेवा स्वरूप के लिए पहुंचे हाईकोर्ट

पुलिसकर्मियों ने सीखे अग्निशमन उपकरण चलाने के गुर



तीन असलहा तस्कर गिरफ्तार



Vice-Chancellor Prof. Vandana Singh Given Farewell

Jaunpur: A farewell ceremony was organised at the university guest house on Tuesday to mark the completion of the three-year tenure of Prof. Vandana Singh, Vice-Chancellor of Veer Bahadur Singh Purvanchal University. Teachers, officers and employees of the university attended the ceremony.

Addressing the gathering, Prof. Vandana Singh said that Purvanchal has immense potential and expressed her wish that students from the region would use their talent to bring recognition to the university and Purvanchal both in India and abroad. She said that during her three-year tenure, teaching and research activities were promoted as key priorities. She credited the university's teachers, officers and employees for their full cooperation. She said providing students with quality education was one of the university's significant achievements and expressed confidence that Purvanchal University would continue to progress in the years ahead. Prof. Vandana Singh expressed her gratitude to all members of the university community for the support she received during her tenure. She said her association with Veer Bahadur Singh Purvanchal University and the affection of the people associated with it would always remain memorable.

Registrar Vinod Kumar Singh, Finance Officer Atma Prakash Dhar Dwivedi, Prof. Ajay Pratap Singh, Prof. Avinash, Prof. Ajay Dwivedi, Prof. Manoj Mishra, Prof. Pradeep Kumar, Prof. Rajesh Sharma, Prof. Rajnish Bhaskar, Prof. Pramod Yadav, Prof. Mithilesh Singh, Prof. Murad Ali, Prof. Vinod Kumar, Dr Digvijay Singh Rathore and Dr Sunil Kumar Singh, among others, were present.



नए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कार्यभार ग्रहण किया

शोध नवाचार शिक्षा गुणवत्ता को आगे बढ़ना ही मेरा लक्ष्य

छात्र हित सर्वोपरि सिविलियन मॉडल बेहतर मॉडल लेंगेः कुलपति

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नए कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को 4:15 पर कार्यभार ग्रहण किया । उन्होंने कहा कि शोध और नवाचार ,शिक्षा गुणवत्ता को विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने का काम करूंगा , शिक्षा क्षेत्र में मेरा एक अलग अनुभव है, क्योंकि हम पिछले भी साल से छात्रों को बेहतर सुविधाएं देते आए हैं , उसके आधार पर काम करूंगा ,मेरा अनुभव है सिविलियन मॉडल बेहतर मॉडल लेकर आएंगे, स्टूडेंट पर हमारी स्पष्ट नीति रहेगी , छात्रों का हित मे उनसे जुड़े काम है उन्हें बढ़ाया जाएगा , डीन ,विभागाध्यक्ष , विशेषज्ञ अधिकारी गण के साथ मिलकर स्टूडेंट के लिए कंफर्टेबल करना है। किसी मोटिव के साथ में यहां आया हूं ,जहां तक फैसेलिटीज के सवाल है इंफ्रास्ट्रक्चर को एस्टेब्लिश करना है, बच्चों को कोई परेशानियां न हो, उनकी समस्या ऑन के निदान पर काम किया जाएगा। यहां यूनिवर्सिटी को सभी क्षेत्रों में देश-विदेश के पटल पर आगे ले जाने के लिए सबके सहयोग से किया जायेगा, जितना आप लोग सभी लोग साथ देंगे , उससे ज्यादा आगे बढ़ने का काम करेंगे। इसके पूर्व कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह, कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ,चीप प्रॉक्टर प्रो अजय प्रताप सिंह, विभागध्यक्ष प्रो. मनोज कुमार मिश्रा ,प्रो सौरभ पाल ,डॉ दिग्विजय सिंह राठौड़, डॉ सुनील सोनकर, डॉ शशिकांत यादव, डॉ सुमन यादव, शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डा विजय सिंह,डा राहुल सिंह,डा शैलेंद्र सिंह, प्रो राजेश सिंह, डॉ जेपी सिंह ,डॉ लक्ष्मण सिंह, डॉ राज बहादुर यादव, डॉ प्रशांत, पं. शशिकांत त्रिपाठी, श्याम श्रीवास्तव,श्रीनाथ यादव, डा दियजेन्द्र दत्त उपाध्याय, श्याम त्रिपाठी, संतोष विश्वकर्मा ,ने स्मृति चिन्ह पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया, इस दौरान अधिकारी शिक्षको प्रबंधकों ने उन्हें स्मृति चिन्ह पुष्पगुच्छ भेट कर स्वागत किया।

तकनीक-सक्षम और छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता : प्रो. राकेश कुमार सिंह

इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से पूर्वांचल विश्वविद्यालय आये हैं राकेश

जौनपुर (समाचार धारा)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े प्रो. राकेश कुमार सिंह उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं। वह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से पूर्वांचल विश्वविद्यालय आए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति ने



कहा कि उनकी प्राथमिकता विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना है। पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी होगी तथा विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संवाद के माध्यम से उनका समाधान किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय सभी सहभागी होंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने मुक्तांगन परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता : प्रो. राकेश कुमार सिंह



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो–इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता : प्रो. राकेश कुमार सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।



पूर्विवि में कार्यभार ग्रहण करते नवागत कुलपति प्रो. राकेश सिंह

कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा।

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 260
जौनपुर, बुधवार
26 अगस्त, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रुपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 गहमा पूर्णिमा : जब ओडिशा में हल की होती है पूजा

मण्डल स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में बांदा के छात्रों का रहा दबदबा पेज : 3

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता: प्रो. राकेश कुमार सिंह

पूर्वांवि के नवागत कुलपति ने ग्रहण किया कार्यभार

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. चंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण, योजना, विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो—इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा।



इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

अवध

कुलपति को विश्वविद्यालय परिवार ने दी विदाई

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह के तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर मंगलवार को विश्वविद्यालय अतिथि गृह में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

समारोह में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि पूर्वांचल की माटी में अपार संभावनाएं हैं। यहां के विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के बल पर देश-विदेश में विश्वविद्यालय और पूर्वांचल का नाम रोशन करें, यही उनकी कामना है। उन्होंने कहा कि अपने तीन वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में पठन-पाठन एवं शोध की गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ बढ़ावा दिया गया। इसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला। विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी पूर्वांचल विश्वविद्यालय इसी तरह निरंतर प्रगति करता रहेगा।

प्रो. वंदना सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से उनका जुड़ाव और यहां के लोगों का स्नेह सदैव स्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर कुलसचिव विनोद कुमार सिंह, वित्त अधिकारी आत्म प्रकाश धर द्विवेदी, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश, प्रो. अजय द्विवेदी,प्रो. मनोज मिश्र, प्रो.प्रदीप कुमार, प्रो राजेश शर्मा, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. मुराद अली, प्रो. विनोद कुमार,डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. शशिकांत यादव,डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ.अनुराग मिश्र उपकुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह सहित अन्य शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी विचार व्यक्त करते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसी क्रम में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह, महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. विजय सिंह तथा अन्य पदाधिकारियों की ओर से प्रो. वंदना सिंह को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वारीन्द्र सिंह यादव, महामंत्री राधेश्याम सिंह मुन्ना, उपाध्यक्ष सुशील प्रजापति, रमेश यादव,श्रीनाथ यादव समेत कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई देते हुए प्रो. वंदना सिंह के कार्यकाल को विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय बताया।

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विवि बनाने की प्राथमिकता : प्रो. राकेश

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो–इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया।

विधायक जगदीश नारायण र से 10.59 करोड़ की 12 सड़

अवधनामा संवाददाता



जौनपुर। (जफराबाद) विधायक जगदीश नारायण राय के अथक प्रयासों से लोक निर्माण विभाग द्वारा 10 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत वाली 12 सड़कों के नव निर्माण की स्वीकृति मंगलवार को प्राप्त हुई।

विधायक के प्रस्ताव पर शासन ने इन 12 सड़कों के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। सभी सड़कें छह-2, पीडब्ल्यूडी जौनपुर (वृत वाराणसी) के अंतर्गत मुख्यमंत्री समग्र ग्राम्य विकास योजना (ष्टस्स्ह्लस्ह्लह्लद्ब) 2026-27 में स्वीकृत हुई हैं।इन सड़कों के बनने से विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा और आवागमन सुगम होगा। लंबे समय से इन मार्गों की जर्जर हालत के कारण ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

स्वीकृत सड़कें जमुड़ाई पक्की मुख्य मार्ग से स्कालर के स्कूल के बगल से प्रजापति एवं ठाकुर बस्ती व प्रजापति बस्ती संपर्क मार्ग, कौवापार पाल बस्ती संपर्क मार्ग, डीडी भरावट बस्ती द्वितीय संपर्क मार्ग, जयरामपुर मोर्चा बस्ती संपर्क मार्ग, आरा से खरिअल्ला बस्ती संपर्क मार्ग, चकमिरदहा संपर्क मार्ग, गजफ्फरपुर संपर्क मार्ग, टोल प्लाजा से बहचूलाल के घर से शाहपुर ब्राह्मण बस्ती संपर्क मार्ग, सुई धास संपर्क मार्ग, उत्तरपट्टी केवट बस्ती

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने किया पदभार ग्रहण

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने निवर्तमान कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों और कर्मचारियों ने



पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं। उच्च शिक्षा प्रशासन में उन्हें कुलसचिव, परीक्षा संबंधी दायित्व, छात्र कल्याण, योजना एवं विकास समेत विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का अनुभव है। वह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से पूर्वांचल विश्वविद्यालय आए हैं। पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना है। पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र में उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए शोध और नवाचार को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। शोध को प्रोत्साहन देने के साथ ही विश्वविद्यालय के प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। कुलपति ने छात्र सुविधाओं पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं की लगातार निगरानी की जाएगी। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से उनका समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को बेहतर बनाने की इस परिवर्तन यात्रा में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय सभी सहभागी होंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता : प्रो. राकेश कुमार सिंह

आइडियल इंडिया न्यूज
डा राजेश जैन जौनपुर

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है , इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो–इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।



नवनियुक्त कुलपति ने पदभार ग्रहण किया

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण तथा योजना एवं विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं।

प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो–इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा। इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया।

Technology-Driven, Student-Centric University Will Be the Priority: Prof. Rakesh Kumar Singh

Jaunpur: Newly appointed Vice-Chancellor of Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Prof. Rakesh Kumar Singh, assumed charge on Tuesday. He took over from outgoing Vice-Chancellor Prof. Vandana Singh.

Prof. Rakesh Kumar Singh comes from the field of information technology and has held several key responsibilities in higher education administration, including Registrar, examination-related assignments,



student welfare, and planning and development. He joined Purvanchal University from Indira Gandhi Delhi Women Technical University. On the occasion, teachers and employees of the university welcomed him by presenting bouquets.

After assuming charge, Prof. Rakesh Kumar Singh said his priority would be to develop Purvanchal University into a technology-enabled, transparent, accountable and student-centric institution of higher education.

He said digital technology would be used effectively to make teaching, examinations, results, admissions, research, student services and administrative processes more accessible and efficient.

Describing Veer Bahadur Singh Purvanchal University as an important centre of higher education in the Purvanchal region, he said research and innovation would receive special emphasis. A strong digital administrative framework would be developed to encourage research and ensure accountability at every level. The Vice-Chancellor also stressed the need for continuous monitoring of basic student facilities such as internet connectivity and security. He said students' grievances would be heard seriously and efforts would be made to resolve them through dialogue.

Prof. Singh said all teachers, employees, students, research scholars and affiliated colleges would be partners in the university's transformation journey. After assuming office, the Vice-Chancellor planted saplings at the Muktangan campus. All teachers and employees of the university were present on the occasion.

तकनीक आधारित, छात्र-केन्द्रित विवि बनाने की प्राथमिकता: प्रो. राकेश

कार्यभार

तेजस टूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण, योजना, विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. सिंह ने कहा



पूर्विवि के नवागत कुलपति ने ग्रहण किया कार्यभार

कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो—इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा।

इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

उम्मीद ऑफ पब्लिक (हिन्दी दैनिक)

जौनपुर

तकनीक आधारित, छात्र-केंद्रित विश्वविद्यालय बनाने की प्राथमिकता: प्रो. राकेश कुमार सिंह

पूर्वांचल के नवागत कुलपति ने ग्रहण किया कार्यभार

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने पूर्व कुलपति प्रो. वंदना सिंह से कार्यभार संभाला। प्रो. राकेश कुमार सिंह सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से जुड़े रहे हैं और उच्च शिक्षा प्रशासन में कुलसचिव, परीक्षा कार्य से जुड़े दायित्व, छात्र कल्याण, योजना, विकास जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। प्रो. सिंह इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय से आए हैं। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक और कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि उनका लक्ष्य पूर्वांचल विश्वविद्यालय को तकनीक-सक्षम,



पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित उच्च शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित करना होगा। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, परीक्षा, परिणाम, प्रवेश, शोध, छात्र सुविधाओं और प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम बनाने के लिए डिजिटल तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय पूर्वांचल क्षेत्र की उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है, इसलिए शोध और नवाचार पर विशेष जोर दिया जाएगा। शोध को प्रोत्साहन मिले और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित हो–इसके लिए एक मजबूत डिजिटल प्रशासनिक ढांचा विकसित किया जाएगा।

इंटरनेट और सुरक्षा जैसी बुनियादी छात्र सुविधाओं की लगातार निगरानी हो। विद्यार्थियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाएगा। विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी, शोधार्थी और संबद्ध महाविद्यालय इस परिवर्तन यात्रा के सहभागी होंगे। इसके बाद मुक्तांगन परिसर में कुलपति जी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्वांचल में एनसीसी चयन शिविर सम्पन्न

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए एनसीसी प्रवेश हेतु चयन शिविर सम्पन्न हुआ। 98 यूपी बटालियन एनसीसी, जौनपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आलोक डी. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में पंजीकृत 142 अभ्यर्थियों में 132 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। चयन प्रक्रिया में दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक परीक्षण तथा 50 अंकों की लिखित परीक्षा के माध्यम से अभ्यर्थियों की शारीरिक क्षमता, बौद्धिक दक्षता, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता का मूल्यांकन किया गया। चयन प्रक्रिया सेना से आए अधिकारियों एवं प्रशिक्षित कार्मिकों के सहयोग से सम्पन्न हुई। विश्वविद्यालय की सहायक कुलसचिव (एनसीसी) सरला देवी एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने शिविर का समन्वय किया।

नपुर

www.tejastoday.com

पूविवि के इंक्यूबेशन सेण्टर को मुख्यमंत्री ने प्रदान किया मान्यता प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र

तेजस टूडे ब्यूरो

शुभांशू जायसवाल

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश सिंह एवं इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया।

कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली



इस मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। विशेष रूप से सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि तथा स्टार्टअप विकास से संबंधित अन्य सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच अधिक सुगम हो सकेगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को ?1.79 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त किया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता को विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

उम्मीद ऑफ पब्लिक (हिन्दी दैनिक)

जौन

पूविवि के इंक्यूबेशन सेण्टर को मुख्यमंत्री ने प्रदान किया मान्यता प्रमाण-पत्र

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश सिंह एवं इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली इस मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। विशेष रूप से सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि तथा स्टार्टअप विकास से संबंधित अन्य सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच



अधिक सुगम हो सकेगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को 71.79 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त किया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता को विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, शुक्रवार, 28 अगस्त, 2026

पीयू के इंक्यूबेशन सेंटर को मुख्यमंत्री ने प्रदान किया मान्यता प्रमाण पत्र

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह एवं इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया।



कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली इस मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले स्टार्टअप एवं इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। विशेष रूप से सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि तथा स्टार्टअप विकास से संबंधित अन्य सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुँच अधिक सुगम हो सकेगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन तथा उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ रूपये से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को 1.79 करोड़ रूपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और सुदृढ़ बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने बताया कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता को विश्वविद्यालय में नवाचार एवं उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में परिवर्तित करने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

खेलो इंडिया संवाद में युवाओं को खेलों से जुड़ने का संदेश

मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा- स्वस्थ और अनुशासित युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना और मेरा युवा भारत, जौनपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'खेलो इंडिया संवाद—खेल की बात, पीएम के साथ' कार्यक्रम आयोजित किया गया। रज्जू भैया संस्थान स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, स्वयंसेवक और खेल प्रेमी शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पांजलि तथा हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीवी के माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने और भारत को खेलों की महाशक्ति बनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देशें खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य हो रहा है। भारतीय खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने युवाओं से खेलों को जीवन का हिस्सा बनाने, प्रतिभा को निखारने और नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की अपील की। कहा कि स्वस्थ, अनुशासित और ऊर्जावान युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलने की बात कहते हुए उन्होंने सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने 'मेरा भारत' पोर्टल और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग से अधिक से अधिक युवाओं को जुड़ने का आह्वान किया। एथलेटिक्स खिलाड़ी पूजा यादव सम्मानित, युवाओं को दी सफलता की सीख विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का भी प्रभावी साधन है। खेलों से युवाओं में अनुशासन, धैर्य, संघर्ष और नेतृत्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की सलाह दी। इस अवसर पर एथलेटिक्स खिलाड़ी पूजा यादव को मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव और विशिष्ट अतिथि सुरेंद्र प्रताप सिंह ने बुके, स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। पूजा यादव ने विद्यार्थियों से अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता के लिए प्रतिभा के साथ निरंतर अभ्यास, मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास जरूरी है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने उपस्थित युवाओं और प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई। संचालन सुमित सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉ. शशिकांत यादव ने किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. मनोज पाण्डेय सहित खेल विभाग के अधिकारी, विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षक, स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली सरकारी मान्यता

स्टार्टअप और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा, सीड फंडिंग समेत योजनाओं तक आसान होगी पहुंच

कौटिल्य का भारत



जौनपुर। उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय को महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह और इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथडीकर को प्रमाण पत्र सौंपा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि इंक्यूबेशन सेंटर को मिली मान्यता से विश्वविद्यालय से जुड़ने वाले स्टार्टअप और इनक्यूबेटीज को सरकारी योजनाओं का लाभ हासिल करने में सुविधा होगी। खासतौर पर सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि और स्टार्टअप विकास से जुड़ी अन्य योजनाओं तक पहुंच आसान होगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। विद्यार्थियों और नवोदित उद्यमियों को मिलेंगे बेहतर अवसर कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में बताया गया कि स्टार्टअप नीति के तहत अब तक 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ रुपये से अधिक तथा नौ इनक्यूबेटीज को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने पर जोर दिया। इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथडीकर ने कहा कि मान्यता मिलना विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे पूर्वांचल क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर मंच और अवसर मिल सकेंगे। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री सुनील कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारी और गणमान्यजन मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ने

कौटिल्य का भारत

केराकत जौनपुर। विधानसभा क्षेत्र केराकत के पूर्व विधायक,वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश चौधरी ने ब्लॉक जलालपुर,ब्लॉक केराकत एवं ब्लॉक डोभी के अंतर्गत आने वाली सैकड़ों आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ती, आंगनवाड़ी की सहायिका एवं समूह की सैकड़ों महिला बहनों से केराकत ब्लाक एवं डोभी ब्लाक के सभागार में आयोजित रक्षाबंधन महोत्सव कार्यक्रम के तहत राखी बंधवाया। परिषदीय विद्यालयों में रसोइया के कार्य को संपन्न करने वाली रसोइया बहनों से भी राखी बंधवाया। यह कार्यक्रम खुद पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने आयोजित किया था। माहौल खुशनुमा होने के साथ-साथ भावपूर्ण भी था क्योंकि अधिकांश महिलाओं में इस बात की चर्चा थीं कि हम लोगों की पूछ इस प्रकार से हो रही है और एक जनप्रतिनिधि हम सब के बीच में आज हम सब का भाई बनकर के बैठा हुआ है,हम लोगों से राखी बंधवा रहा है। हमें

हिन्दी दैनिक स्तुति संदेश

पीयू के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली सरकारी मान्यता, सीएम योगी ने सौंपा प्रमाण पत्र

जौनपुर उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को बढ़ावा देने की दिशा में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को बड़ी उपलब्धि मिली है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने यह प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह और इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर को सौंपा।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से जुड़े स्टार्टअप और इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। सीड फंडिंग, प्रोत्साहन राशि और स्टार्टअप विकास से जुड़ी सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच बेहतर होगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति–2026 पुस्तिका का विमोचन और उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। बताया गया कि स्टार्टअप नीति के तहत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ रुपये से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारी और गणमान्यजन मौजूद रहे। इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने कहा कि यह मान्यता पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पूर्वांचल के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर मिल सकेंगे।



हिन्दी दैनिक



मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

जौनपुर। ब्लॉसम्स स्कूल में आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, हुनर और आत्मविश्वास का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अपेक्षा से अधिक भागीदारी रही। यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि Skill-Based Education और Future-Ready Education की दिशा में विद्यालय की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। NEP की भावना के अनुरूप, विद्यार्थियों को किताबों के साथ-साथ वास्तविक जीवन के कौशल, creativity और self-expression के अवसर दिए जा रहे हैं। ब्लॉसम्स स्कूल लगातार ऐसी innovative और skill-oriented activities के माध्यम से जौनपुर में शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता साबित कर रहा है। पढ़ाई के साथ हुनर, आज की सीख से बेहतर कल।

पीयू के इंक्यूबेशन सेंटर को मिली सरकारी मान्यता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश की स्टार्टअप नीति को बढ़ावा देने की दिशा में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को बड़ी उपलब्धि मिली है। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेंटर को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मान्यता का प्रमाण पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने यह प्रमाण पत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह और इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाण्डेकर को सौंपा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बताया कि मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से जुड़े स्टार्टअप और इनक्यूबेटीज को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी। सीड फॉंडिंग, प्रोत्साहन राशि और स्टार्टअप विकास से जुड़ी सरकारी सुविधाओं तक उनकी पहुंच बेहतर होगी। इससे विश्वविद्यालय में नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संस्कृति को और मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 पुस्तिका का विमोचन और उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया। बताया गया कि स्टार्टअप नीति के तहत 107 स्टार्टअप को 3.42 करोड़ रुपये से अधिक तथा 9 इनक्यूबेटीज को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री सुनील कुमार शर्मा समेत अन्य अधिकारी और गणमान्यजन मौजूद रहे। इंक्यूबेशन सेंटर के कार्यकारी निदेशक प्रो. अविनाश पाण्डेकर ने कहा कि यह मान्यता पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नवाचार और उद्यमिता को संस्थागत रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पूर्वांचल के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को स्टार्टअप में बदलने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर मिल सकेंगे।

पेट्रोल छिड़ककर युवक ने लगाई आग, हालत गंभीर

जौनपुर। केराकत थाना क्षेत्र के सम्बत ब्रह्म बाबा मंदिर के पास गुरुवार को एक युवक ने कथित तौर पर पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगा ली। आग की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसके कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

प्रधानमंत्री का युवाओं को आह्वान-खेल को बनाएं जीवन का हिस्सा, नशे से रहें दूर

जौनपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के आर्यभट्ट सभागार, रज्जू भैया संस्थान में खेलो इंडिया संवाद - खेल की बात, पीएम के साथ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत (माय भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय को कैटेगरी-ए वेन्यू के रूप में चयनित कर देशभर के साथ टू-वे (दो-तरफा) कनेक्टिविटी से जोड़ा गया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वर्चुअल सम्बोधन रहा, जो पूर्वाह्न 11 बजे राष्ट्रीय फीड के माध्यम से देशभर के सभी आयोजन स्थलों पर एक साथ प्रसारित किया गया। इससे पूर्व युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के स्वागत सम्बोधन तथा राष्ट्रीय खेल दिवस एवं माननीय प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस 2026 सम्बोधन पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं को फिटनेस, अनुशासन एवं खेल भावना को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया, विगत एक दशक में भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में हुए परिवर्तन को रेखांकित किया, तथा वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी के राष्ट्रीय संकल्प को विकसित भारत @2047 के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ा। माननीय प्रधानमंत्री जी के सम्बोधन के दौरान सभी उपस्थित लोग अनुशासनपूर्वक अपने स्थान पर बैठे रहे और इस ऐतिहासिक संवाद के साक्षी बने। इस अवसर पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित समारोह में एथलेटिक्स खिलाड़ी पूजा यादव को



मंत्री गिरीश यादव को सम्मानित करते लोग।

राज्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को नई दिशा और व्यापक मंच मिला है। खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट, सांसद खेलकूद प्रतियोगिता तथा 'वन डिस्ट्रिक्ट वन गेम' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण एवं आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन गेम' के माध्यम से प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। जौनपुर में भी खेलो इंडिया के अंतर्गत इंदिरा गांधी स्टेडियम में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से मल्टीपर्पज हॉल उपलब्ध कराया गया है, जिससे खिलाड़ियों को इंडोर खेलों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी। राज्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा नई खेल नीति-2023 के माध्यम से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण, पौष्टिक आहार एवं प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए विभिन्न सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ी संसाधनों के अभाव में पीछे न रहें और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिले। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धियों के आधार पर सरकारी सेवा में अवसर देने के साथ-साथ विभिन्न स्तरों पर पुरस्कार राशि भी प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ग्राम पंचायत स्तर तक खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। खेल मैदानों को विकसित करने के साथ विकासखंड स्तर पर ग्रामीण खेल मिनी स्टेडियम तथा मंडल स्तर पर स्पोर्ट्स कॉलेज स्थापित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

